1

707

दृष्टि The Vision

इतिहास
(वैकल्पिक विषय)
टेस्ट-4

निर्धारित समयः तीन घंटे Time allowed: Three Hours	DTVF / OPT-24 **H-2404**	अधिकतम अंकः 250 Maximum Marks: 250

Name: Arun kumar

Mobile Number: ______

Medium (English/Hindi): Hindi

Reg. Number: ______

Center & Date: 4/Aug/2024, Delhi

UPSC Roll No. (If allotted): 5417292

प्रश्न-पत्र के लिये विशिष्ट अनुदेश

कृपया प्रश्नों के उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को ध्यानपूर्वक पढ़ें:
इसमें आठ प्रश्न हैं जो दो खण्डों में विभाजित हैं तथा हिन्दी एवं अंग्रेज़ी भाषा में मुद्रित हैं।
परीक्षार्थी को कुल पाँच प्रश्नों के उत्तर देने हैं।
प्रश्न संख्या 1 और 5 अनिवार्य हैं तथा बाकी में से प्रत्येक खण्ड से कम-से-कम एक प्रश्न चुनकर किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिये।
प्रत्येक प्रश्न/भाग के अंक उसके सामने दिये गए हैं।
प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहियें जिसका उल्लेख आपके प्रवेश-पत्र में किया गया है, और इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिये। उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गए उत्तर पर **कोई अंक नहीं मिलेंगे।**
प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिये।
जहाँ आवश्यक हो, अपने उत्तर को उपयुक्त चित्रों/मानचित्रों तथा आरेखों द्वारा दर्शाएँ। इन्हें प्रश्न का उत्तर देने के लिये दिये गए स्थान में ही बनाना है।
प्रश्नों के उत्तरों की गणना क्रमानुसार की जाएगी। यदि काटा नहीं हो, तो प्रश्न के उत्तर की गणना की जाएगी चाहे वह उत्तर अंशतः दिया गया हो। प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिये।

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

Please read each of the following instruction carefully before attempting questions:
There are EIGHT questions divided in TWO SECTIONS and printed both in HINDI & ENGLISH.
Candidate has to attempt FIVE questions in all.
Questions no. 1 and 5 are compulsory and out of the remaining, any THREE are to be attempted choosing at least ONE from each section.
The number of marks carried by a question/part is indicated against it.
Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (Q.C.A.) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.
Word limit in questions, wherever specified, should be adhered to.
Illustrate your answers with suitable sketches/maps and diagrams, wherever considered necessary. These shall be drawn in the space provided for answering the question itself.
Attempts of questions shall be counted in sequential order. Unless struck off, attempt of a question shall be counted even if attempted partly. Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

प्र. सं. (Q.No.)	a	b	c	d	e	कुल अंक (Total Marks)	प्र. सं. (Q.No.)	a	b	c	d	e	कुल अंक (Total Marks)
1							5						
2							6						
3							7						
4							8						
						सकल योग (Grand Total)							

मूल्यांकनकर्त्ता (हस्ताक्षर)
Evaluator (Signature)

पुनरीक्षणकर्त्ता (हस्ताक्षर)
Reviewer (Signature)

Feedback

1. Context Proficiency (संदर्भ दक्षता)
2. Introduction Proficiency (परिचय दक्षता)
3. Content Proficiency (विषय-वस्तु दक्षता)
4. Language/Flow (भाषा/प्रवाह)
5. Conclusion Proficiency (निष्कर्ष दक्षता)
6. Presentation Proficiency (प्रस्तुति दक्षता)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

खण्ड - क / SECTION - A

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

1. निम्नलिखित में से प्रत्येक का लगभग 150 शब्दों में उत्तर दीजिये: 10 × 5 = 50

Answer the following in about 150 words each:

(a) "प्रतिनिधित्व नहीं तो कर नहीं।" टिप्पणी कीजिये।

"No taxation without representation." Comment.

विश्व इतिहास में अमेरिकी क्रांति की महत्वपूर्ण जगह है। यह क्रांति विभिन्न कारकों का सम्मिलित परिणाम थी। ब्रिटिश आधिपत्य ने अमेरिकी समाज का आर्थिक शोषण किया तथा ब्रिटिश आर्थिक प्रणाली व नीतियों ने क्रांति हेतु प्रेरित किया। भारी करों के विरोध में "प्रतिनिधित्व नहीं तो कर नहीं" का नारा गूंजा।

अमेरिकी क्रांति के आर्थिक कारण

- 13 ब्रिटिश कॉलोनियों में ब्रिटिश आर्थिक नीतियों का विस्तार
- अमेरिकियों द्वारा किये जा रहे वाणिज्य व्यापार पर भारी करारोपण (आयात-निर्यात शुल्क)
- ब्रिटिश पार्लियामेंट द्वारा नई नीति के तहत स्टाम्प एक्ट (स्टाम्प ड्यूटी), चाय उत्पादन व आयात कर, कपास कर आदि लगाया जाना

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

अमेरिकी जनता भारी करों के बोझ से परेशान थी। तथा मध्यमवर्ग जो व्यापारिक गतिविधियों में संलग्न था अमेरिका में भी ब्रिटेन जैसे संसदीय प्रणाली के तहत राजनैतिक प्रतिनिधित्व की मांग कर रहा था।

इतिहासकार मार्क्स ने आर्थिक असमानताओं को क्रांति का प्रेरक तत्व माना है सम्पन्न व्यापारी व मध्यवर्ग ने नारा दिया "प्रतिनिधित्व नहीं तो कर नहीं" यही नारा संपूर्ण क्रांति का नारा बन गया था।

हालांकि अमेरिकी क्रांति के लिए विभिन्न समकालीन परिस्थितियां भी जिम्मेदार थी। उभरते शिक्षित मध्यवर्ग, दार्शनिकों का प्रभाव, तथा इंग्लैण्ड की क्रांति का भी प्रभाव देखा जा सकता है।

विश्व इतिहास में अमेरिकी क्रांति ने अपनी अमिट छाप छोड़ी तथा दुनिया को संविधानवाद का आदर्श दिया।

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली | 21, पूसा रोड, करोल बाग, नई दिल्ली | 13/15, ताशकंद मार्ग, निकट पत्रिका चौराहा, सिविल लाइन्स, प्रयागराज | 47/CC, बर्लिंगटन आर्केड मॉल, विधानसभा मार्ग, लखनऊ | प्लॉट नंबर-45 व 45-A हर्ष टावर-2, मेन टोंक रोड, वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

(b) उन्नीसवीं सदी में ब्रिटेन में मुक्त व्यापार आंदोलन की सफलता का मूल्यांकन कीजिये।

Evaluate the success of the free trade movement in Britain in the nineteenth century.

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

19 वीं सदी के साम्राज्यवादी प्रसार के चरण में, ब्रिटेन की आर्थिक प्रगति का प्रमुख कारण 'मुक्त व्यापार व्यवस्था' भी थी। एडम स्मिथ ने अपनी आर्थिक कृति 'वेल्थ ऑफ नेशन्स' में मुक्त व्यापार प्रणाली की चर्चा की है।

ब्रिटेन में मुक्त व्यापार आंदोलन की सफलता

- ब्रिटिश समाज महत्वाकांक्षी तथा उद्यमी था और दुनियाभर में व्यापारिक गतिविधियों से मुनाफा कमाया था। जिस कारण अतिरिक्त पूंजी संग्रहण हुआ था वह शत पूंजी का निवेश करना चाहता था।

- ब्रिटेन में सफल औद्योगिक क्रांति ने आर्थिक उत्पादन प्रणाली को बदलकर रख दिया। → कच्चे माल की प्राप्ति तथा तैयार माल की बिक्री हेतु मुक्त व्यापार को प्रोत्साहन दिया

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली | 21, पूसा रोड, करोल बाग, नई दिल्ली | 13/15, ताशकंद मार्ग, निकट पत्रिका चौराहा, सिविल लाइन्स, प्रयागराज | 47/CC, बर्लिंगटन आर्केड मॉल, विधानसभा मार्ग, लखनऊ | प्लॉट नंबर-45 व 45-A हर्ष टावर-2, मेन टोंक रोड, वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

- स्थिर राजनैतिक प्रणाली तथा व्यापार व उद्यमशीलता को बढ़ावा देने के लिए सरकार ने अपने उपनिवेशों का विस्तार किया तथा वहां मुक्तव्यापार नीति लागू की।

मूल्यांकन

- एडम स्मिथ की मुक्त व्यापार नीति मध्यमवर्ग व पूंजीपति वर्ग के लिए लाभदायक सिद्ध हुई किंतु श्रमिक वर्ग व श्रमिकों की दशा दयनीय हुई।
- ⇓ रोबर्ट ओवन के नेतृत्व में इंग्लैण्ड में समाजवाद की लहर चली
- मुक्तव्यापार से उपनिवेशों का शोषण बढ़ा
  ⇓ उपनिवेशों में संघर्ष बढ़ा
  ⇓ यूरोपीय देशों में संघर्ष बढ़ा
- समाजवादी व मार्क्सवादी विचारधारा का इसके विरोध में प्रसार हुआ
- इंग्लैण्ड में शोषण के विरोध में चार्टिस्ट आंदोलन का जन्म हुआ।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

(c) 'मैज़िनी आधुनिक इटली के निर्माताओं में एक महत्त्वपूर्ण स्थान रखता है।' व्याख्या कीजिये।

Mazinni holds an imperishable place among the makers of modern Italy.' Explain.

इटली का एकीकरण यूरोप में राष्ट्रवाद की बढ़ती बयार का प्रभाव था। इटली एकीकरण में कई सम्मिलित कारकों की भूमिका थी। ~~किंतु~~ इनमें प्रमुख राष्ट्रवादी नेताओं जैसे मैज़िनी, काबूर गैरीबाल्डी की भूमिका प्रमुख रही।

आधुनिक इटली के निर्माण में मैज़िनी की भूमिका :-

- इटली एकीकरण में :- मैज़िनी ने एकीकरण की प्रक्रिया हेतु कूटनीति व विदेश सम्बन्धों के ज़रिए अपना योगदान दिया था।

  (उदा० उत्तरी इटली के एकीकरण हेतु वह फ्रांस में निर्वासित जीवन व्यतीत किया। तथा नेपोलियन II के साथ संबन्ध बनाया।)

- इटली एकीकरण हेतु उसने युवाओं का क्रांतिकारी संगठन Young Italy बनाया तथा युवाओं के सामने राष्ट्रवादी क्रांतिकारी आदर्श रखा

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

- स्वतंत्र इटली की अंतर्राष्ट्रीय कूटनीति को आकार देने में अपनी भूमिका निभाई।

- घरेलू राष्ट्रवादी, व्यापारिक, शैक्षिक नीतियों को आकार दिया तथा शिक्षा हेतु उसने राष्ट्रवादी तत्व पर जोर दिया

~~मैज़िनी~~ हालांकि मैज़िनी की जल्दी मृत्यु हो जाने पर वह इटली को संपूर्ण राष्ट्र के रूप में नहीं देख सका था। वह एकीकरण की प्रक्रिया को पूर्ण नहीं करा पाया था।

अतः मैज़िनी इटली का युवा क्रांतिकारी राष्ट्रवादी था जिसने अपनी कूटनीति व सूझबूझ से इटली के आधुनिकीकरण व एकीकरण का मार्ग प्रशस्त किया।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

(d) फ्राँसीसी क्रांति, फ्राँसीसी दार्शनिकों के कारण नहीं बल्कि नागरिकों की परिस्थितियों और सरकार की गलतियों के कारण हुई।

The French Revolution was not caused by the French philosophers but by the conditions of national life and by the mistakes of the government.

फ्रांसीसी क्रांति को इतिहासकार विलियम ह्विग के शब्दों में फ्रांसीसी क्रांति सामाजिक असमानताओं तथा दार्शनिकों द्वारा उस समाज को विचार तथा प्रकाश का परिणाम थी।

फ्रांसीसी क्रांति के कारणों में नागरिक परिस्थितियां तथा सरकार की गलतियां :

नागरिक परिस्थितियां

- फ्रांसीसी समाज में व्यापक असमानता थी।

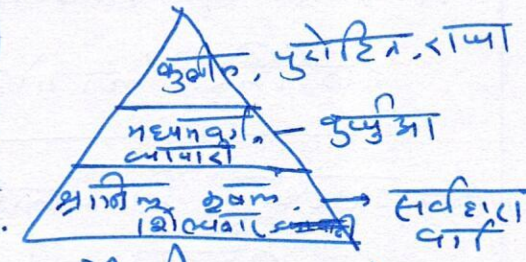

फ्रांसीसी समाज संरचना

- उच्च वर्ग विलासितापूर्ण सुविधाओं का भोग करता था
- निम्न वर्ग करों के बोझ तले दबा हुआ था
- मध्यवर्ग पर दार्शनिक विचारधाराओं का प्रभाव था अतः वह अपनी अवस्था से ऊपर उठना चाहता था
- अमेरिकी क्रांति के आदर्शों का प्रभाव फ्रांसीसी सैनिकों व समाज पर पड़ा

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

सरकार की गलतियां :

- तृतीय एस्टेट को Estate की बैठक हेतु बुलाया गया, → उनकी मांगों को नजरअंदाज करना
- सरकार द्वारा उच्च वर्ग पर कर न लगाना तथा निम्नवर्ग द्वारा कुलीनों पर कर लगाने की मांग का समर्थन न करना
- सरकार ने रिवाल्यू, तृतीय एस्टेट ने असेंबली की बैठकों का बहिष्कार कर दिया तथा 1789 में क्रांति की घोषणा की

दार्शनिकों का योगदान

→ वाल्टेयर ने नागरिक स्वतंत्रता तथा न्याय की वकालत की

→ रूसो ने अपनी पुस्तकों (Emile, Social Contract, On Discourses) से अपने स्वतंत्रतावादी विचारों का प्रचार किया रूसो ने जनवादी गणतंत्र का समर्थन किया जिससे क्रांति को दार्शनिक प्रेरणा मिली।

अतः नेपोलियन के शब्दों में यदि रूसो न होता तो फ्रांस में क्रांति न होती। फ्रांसीसी क्रांति विश्व इतिहास की प्रेरक घटना है जिसने स्वतंत्रता समानता का आदर्श दिया।

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली | 21, पूसा रोड, करोल बाग, नई दिल्ली | 13/15, ताशकंद मार्ग, निकट पत्रिका चौराहा, सिविल लाइन्स, प्रयागराज | 47/CC, बर्लिंगटन आर्केड मॉल, विधानसभा मार्ग, लखनऊ | प्लॉट नंबर-45 व 45-A हर्ष टावर-2, मेन टोंक रोड, वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

(e) प्रबोधन काल में रूसो के योगदान की चर्चा कीजिये।

Discuss the contribution of Rousseau in Enlightenment.

प्रबोधन का युग तार्किक चिंतन, वैज्ञानिक विश्लेषण तथा तर्क आधारित अनुभव को रेखांकित करता है जिसका आधार पुनर्जागरण तथा वैज्ञानिक क्रांति था।

प्रबोधन काल में रूसो का योगदान

- मानवतावाद पर बल - रूसो ने व्यक्तिगत स्वतंत्रता तथा मानवता पर बल दिया था।
- तर्क अन्वेषण व वैज्ञानिक चिंतन छोड़ दिया।
- मानव व प्रकृति के बीच स्वतंत्र सम्बन्धों पर जोर दिया। रूसो प्राकृतिक मानव को स्वतंत्र तथा पवित्र मानता था उसका कहना था कि आधुनिकता व भौतिकता ने मानव को भ्रष्ट कर दिया है। मानव स्वतंत्र पैदा होता है किंतु वह सर्वत्र जंजीरों में जकड़ा रहता है

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

- रूसो ने मानव स्वतंत्रता के लिए सामाजिक अनुबंध की बात की तथा राज्य को मानव स्वतंत्रता का रक्षक माना है
- रूसो के विचारों में समाजवाद के प्रारंभिक गुण दिखाई देते हैं। वह आर्थिक शोषण के विरुद्ध था तथा उसने प्रजातांत्रिक राज्य का समर्थन किया है।

रूसो के विचारों की कुछ सीमायें भी दिखाई देती हैं

- उसने नारीवादी स्वतंत्रता की वकालत नहीं की
- उसका चिंतन भावात्मक, आदर्शवादी, ~~कल्पना~~ था

फिर भी रूसो के विचारों का विश्व इतिहास पर व्यापक प्रभाव देखा गया है उसने समाजवाद व मार्क्सवादी चिंतन को प्रेरित किया।

उसने राज्यकीय निरंकुशता पर प्रहार कर फ्रांसीसी क्रांति को प्रेरित किया।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

2. (a) वे कौन-से कारक थे जिन्होंने इंग्लैंड को औद्योगिक क्रांति का अग्रदूत बनाया? 20

What were the factors that positioned England at the forefront of the Industrial Revolution? 20

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

18 वीं सदी में इंग्लैण्ड की औद्योगिक क्रांति विश्व इतिहास की प्रमुख घटना साबित हुई जिसने मानवीय इतिहास को तथा मानवीय जीवन के प्रत्येक क्षेत्र को पूरी प्रभावित किया।

इंग्लैण्ड में औद्योगिक क्रांति के कारक

- कृषि क्रांति → 17 वीं सदी के उत्तरार्द्ध में इंग्लैण्ड में कृषक उत्पादन में वृद्धि हुई। जैसे सस्यावर्तन विधि तथा सिंचाई यंत्रों के विकास से अधिशेष उत्पादन हुआ। जिससे अधिक जनसंख्या का भरण पोषण किया जा सकता था
- जनसंख्या वृद्धि. वैज्ञानिक क्रांति के पश्चात स्वास्थ्य क्षेत्र में सुधारों तथा बीमारियों पर नियंत्रण, खाद्यान्न आपूर्ति पर्याप्तता ने जनवृद्धि को तीव्र किया जिससे यह हुआ कि काम जनसंख्या खेती हेतु उपलब्ध थी तथा अधिकांश जनसंख्या मात्र श्रम की पूर्ति कर सकती थी

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली | 21, पूसा रोड, करोल बाग, नई दिल्ली | 13/15, ताशकंद मार्ग, निकट पत्रिका चौराहा, सिविल लाइन्स, प्रयागराज | 47/CC, बर्लिंगटन आर्केड मॉल, विधानसभा मार्ग, लखनऊ | प्लॉट नंबर-45 व 45-A हर्ष टावर-2, मेन टोंक रोड, वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

● भौगोलिक कारक — इंग्लैंड की भौगोलिक अवस्था ने क्रांति में सहायता की
- चारों ओर समुद्र की उपस्थिति
  ⇓
  बंदरगाहों की पहुंच तथा व्यापार प्रोत्साहन
  ⇓
  अटलांटिक दास व्यापार से पूंजी की प्राप्ति जिसका निवेश उद्योगों में किया गया

● आर्द्र जलवायु → जिससे कपास मुलायमदार रहता तथा नमीयुक्त मौसम में सूत कातना आसान

● कोयला व इस्पात की प्रचुरता वाले भंडार

अब इतिहासकार यह सवाल उठाते हैं कि यह अवस्थाएं तो यूरोप के अन्य देशों में भी मौजूद थी तो फिर वहां क्रांति क्यों नहीं हुई। प्रसिद्ध इतिहासकार कैनथ पोमरेंज ने The Great Divergence में इसका विस्तार से चर्चा की है

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली | 21, पूसा रोड, करोल बाग, नई दिल्ली | 13/15, ताशकंद मार्ग, निकट पत्रिका चौराहा, सिविल लाइन्स, प्रयागराज | 47/CC, बर्लिंगटन आर्केड मॉल, विधानसभा मार्ग, लखनऊ | प्लॉट नंबर-45 व 45-A हर्ष टावर-2, मेन टोंक रोड, वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

कुछ अन्य कारक

- इंग्लैण्ड के पास उपनिवेशिक साम्राज्य
  - → बाज़ार उपलब्धता तथा इन उपनिवेशों से पूंजी, कच्चा माल व सस्ता श्रम उपलब्धता
- स्थिर सरकार, यूरोप के अन्य देश राजनैतिक संघर्ष में उलझे
- उद्यमशील समाज → मध्यवर्ग तथा व्यापारी वर्ग जोखिम लेते हुए साम्राज्य विस्तार तथा पूंजी निवेश करने हेतु उत्साहित रहता था
- अधिशेष कृषि उत्पादन → कृषि हेतु कम श्रमिक आवश्यक
  - → औद्योगिक गतिविधि हेतु श्रमिक उपलब्धता
- कृषि से बनी पूंजी → उद्योगों में लगाई गई।
- वैज्ञानिक क्रांति
  - भाप इंजन का आविष्कार
  - वाल्युन्त फ्लाइंग शटल का आविष्कार
  - स्पिनिंग जेनी
  - कार्टराइट द्वारा पावरलूम आविष्कार

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

अतः औद्योगिक क्रांति, कृषि क्रांति के पश्चात मानव इतिहास की सबसे बड़ी परिवर्तनकारी घटना साबित हुई जिसने इंग्लैंड सहित दुनियाभर को बहुआयामी रूप से प्रभावित किया।

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली | 21, पूसा रोड, करोल बाग, नई दिल्ली | 13/15, ताशकंद मार्ग, निकट पत्रिका चौराहा, सिविल लाइन्स, प्रयागराज | 47/CC, बर्लिंगटन आर्केड मॉल, विधानसभा मार्ग, लखनऊ | प्लॉट नंबर-45 व 45-A हर्ष टावर-2, मेन टोंक रोड, वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर

दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiIAS.com

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

(b) वर्ष 1917 की रूसी क्रांति के कारणों का उल्लेख कीजिये। 15

Enumerate the causes of the Russian Revolutions of 1917. 15

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

1917 में रूसी जारशाही के विरुद्ध जनसाधारण का रोष फूट पड़ा तथा साम्यवादी नेता लेनिन के नेतृत्व में रूसी क्रांति हुई जिसके परिणाम स्वरूप दुनिया में प्रथम साम्यवादी सरकार का गठन किया गया

कारण

राजनैतिक
- खूनी रविवार की घटना
- निरंकुश जारशाही
- जार निकोलस द्वितीय की जन विरोधी नीतियां

प्रशासनिक
- प्रशासनिक पदों पर कुलीनों का वर्चस्व
- जन सामान्य विरोधी नीतियों का क्रियान्वयन

सामाजिक —

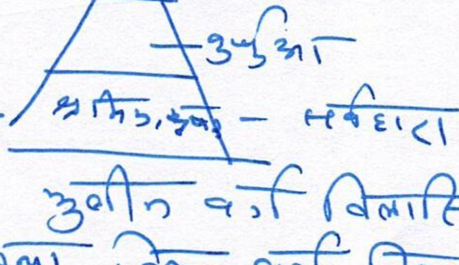

फ्रांस की तरह रूसी समाज भी त्रिस्तरीय ढांचे में बंटा हुआ था। कुलीन वर्ग विलासिता पूर्ण जीवन जीता तथा निम्न वर्ग विपन्नताओं व गरीबी तले दबा हुआ

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली | 21, पूसा रोड, करोल बाग, नई दिल्ली | 13/15, ताशकंद मार्ग, निकट पत्रिका चौराहा, सिविल लाइन्स, प्रयागराज | 47/CC, बर्लिंगटन आर्केड मॉल, विधानसभा मार्ग, लखनऊ | प्लॉट नंबर-45 व 45-A हर्ष टावर-2, मेन टोंक रोड, वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

आर्थिक

- कृषि उत्पादन में गिरावट
  ↓
  खाद्य पदार्थों की महंगाई
  ↓
  भुखमरी
- प्रथम विश्व युद्ध में रूस द्वारा भारी धन बहाया जाना
- सैनिकों पर अत्यधिक खर्च किया जाना तथा (सेना को विदेशी धरती के युद्धों में उलझा के रखना)
- प्रथम विश्व युद्धजनित महंगाई

कुशल नेतृत्व

- लेनिन जैसे नेताओं का जनता पर प्रभाव तथा जनता से क्रांति की अपील
- प्रथम विश्व युद्ध से रूस को बाहर निकालने की अपील

वैदेशिक कूटनीतिक

- 1905 में जापान से पराजय रूसी जनता में शासन के प्रति आक्रोश
- प्रथम विश्वयुद्ध में रूस का अमेरिकी गुट में शामिल होना

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

अतः रूसी क्रांति विभिन्न कारणों का सम्मिलित परिणाम थी। रूस की जनता में व्याप्त असमानता प्रथम विश्वयुद्ध के परिणामों ने क्रांति की प्रक्रिया को तीव्र किया। तथा 1917 में क्रांति सफल साबित, लेनिन के नेतृत्व में नये साम्यवादी रूस का उदय हुआ

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

(c) इंडोनेशिया में डच साम्राज्यवाद की प्रकृति का परीक्षण कीजिये। 15

Examine the nature of Dutch imperialism in Indonesia. 15

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

इण्डोनेशिया में सर्वप्रथम पुर्तगालियों ने शासन की थी इसके उपरांत 16वीं सदी से डच वहां पर अपना वर्चस्व जमाने लगे थे।

इण्डोनेशिया में डच साम्राज्यवाद

- डचों ने पुर्तगालियों को इण्डोनेशिया से बाहर निकालकर, व्यापार व उत्पादन प्रणाली पर कब्जा किया
- → वेदरा युद्ध 1819 के परिणाम स्वरूप इण्डोनेशिया में ब्रिटिश कम्पनी से समझौता
- → डचों ने बागान तथा मसाला उत्पादन को प्रोत्साहित किया
- → नारियल, गन्ना, कोला उत्पादन बढ़ाया
- — इण्डोनेशियाई जनता को गुलाम तथा दास बनाकर वहां धान उत्पादन को प्रोत्साहित किया।

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली | 21, पूसा रोड, करोल बाग, नई दिल्ली | 13/15, ताशकंद मार्ग, निकट पत्रिका चौराहा, सिविल लाइन्स, प्रयागराज | 47/CC, बर्लिंगटन आर्केड मॉल, विधानसभा मार्ग, लखनऊ | प्लॉट नंबर-45 व 45-A हर्ष टावर-2, मेन टोंक रोड, वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

- प्रारंभ में मसाला उत्पादन से व्यापारिक लाभ कमाया
- डच ~~अधिक~~ बंदरगाहों पर व्यापारिक कोठियों की किलेबंदी करते थे जिसका अनुकरण अंग्रेजों ने भारत में किया।
- बाद में 19वीं सदी में डचों ने दास प्रथा का उन्मूलन कर वहां केवल धान, गन्ना व मसाला नारियल उत्पादन तक ही अपना ध्यान लगाया

अतः डचों के साम्राज्यवादी प्रसार के चलते ~~इस~~ इण्डोनेशिया में धान, जूट, गन्ना, रबर तथा प्लांटेशन क्रॉपस को बढ़ावा दिया। हालांकि डचों ने राजनैतिक ~~सत~~ सत्ता स्थापित करने का प्रयास नहीं किया उन्होंने केवल ताकत के बल पर व्यापार पर एकाधिकार बनाए रखा।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

3. (a) प्रशा के अधीन जर्मनी के एकीकरण में ज़ॉलवरीन की भूमिका का समालोचनात्मक परीक्षण कीजिये। 20

Critically examine the role of Zollverein in unification of Germany under Prussia. 20

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

(b) मेटरनिख प्रणाली क्या थी? यूरोप पर इसके प्रभावों का मूल्यांकन कीजिये। 15

What is the Metternich system? Assess its impact on Europe. 15

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

(c) पेरिस शांति सम्मेलन में मित्र शक्तियों के हितों के टकराव के साथ-साथ उनके नेतृत्व स्तर पर भी वैचारिक मतभेद थे। परीक्षण कीजिये। 15

Paris Peace Conference involved clash of interests of allied powers as well as difference in personalities of their leaders." Examine. 15

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली | 21, पूसा रोड, करोल बाग, नई दिल्ली | 13/15, ताशकंद मार्ग, निकट पत्रिका चौराहा, सिविल लाइन्स, प्रयागराज | 47/CC, बर्लिंगटन आर्केड मॉल, विधानसभा मार्ग, लखनऊ | प्लॉट नंबर-45 व 45-A हर्ष टावर-2, मेन टोंक रोड, वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर

दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiIAS.com

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

4. (a) वर्ष 1949 की चीनी क्रांति के सामाजिक कारणों पर प्रकाश डालिये। 20

Highlight the social causes of the Chinese Revolution of 1949. 20

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

(b) नवसाम्राज्यवाद की आर्थिक एवं राष्ट्रवादी प्रेरणाएँ क्या थीं? 15

What were the nationalist and economic motivations of new imperialism? 15

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

(c) तीसरे जर्मन राज्य के उत्थान और पतन की विवेचना कीजिये। 15

Discuss the rise and fall of the Third Reich. 15

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

खण्ड - ख / SECTION - B

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

5. निम्नलिखित में से प्रत्येक का लगभग 150 शब्दों में उत्तर दीजिये: 10 × 5 = 50
Answer the following in about 150 words each:

(a) एकध्रुवीय विश्व विभिन्न कारकों की परिणति का परिणाम था।

Unipolar world was a result of the culmination of various factors.

द्वितीय विश्वयुद्ध के पश्चात दुनिया द्विध्रुवीयता की ओर बढ़ी। जिसमें एक ध्रुव सोवियत साम्यवाद तथा दूसरा ध्रुव अमेरिकी पूंजीवाद का था। दुनिया के कई देशों ने इन ध्रुवों का समर्थन किया था।

हालांकि कुछ समय बाद शीत युद्ध की समाप्ति तथा सोवियत विघटन की घटना के बाद पुनः विश्व को अमेरिकी प्रभुत्व के अधीन एकध्रुवीय विश्व की ओर प्रेरित किया।

एकध्रुवीय विश्व के कारक

- सोवियत यूनियन का विघटन की तीव्रता
  - शीत युद्ध की समाप्ति
  - यूरोप का बाल्कनीकरण
  - मिखाइल गोर्बाचेव की पेरेस्त्रोइका की नीतियां

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

- 1991 में ~~सोवियत~~ शीतयुद्ध की समाप्ति तथा यूरोप में स्वतंत्रतावादी आंदोलन तथा राष्ट्रवाद का प्रसार
  (उदा० ~~युगो~~ चेकोस्लोवाकिया, स्कैन्डेविया आदि देशों का उदय।)
- अमेरिका की बढ़ती परमाणु शक्ति
  - अमेरिका द्वारा हथियारों की होड़ के परिणामस्वरूप वृहद संहारक क्षमता के शस्त्रों का निर्माण
- सोवियत की कमजोर होती आर्थिक गतिविधियां
- अमेरिका का बढ़ता वर्चस्व
  - जैसे
    - अफगान युद्ध में रूस को हार
    - वियतनाम युद्ध में अमेरिकी शक्तिपरीक्षण
    - ईराक, ईरान में अमेरिकी प्रभुत्व
    - अरब - इजराइल युद्ध में अमेरिकी हस्तक्षेप
- डॉलर का विश्व व्यापार पर बढ़ता प्रभाव

अतः वैश्विक एक ध्रुवीय व्यवस्था के उदय में विभिन्न आर्थिक, रणनीतिक, सैन्य कारकों की भूमिका थी। जिसमें शीतयुद्ध की समाप्ति तथा सोवियत संघ की विफलता ने इसे और तीव्र बना दिया।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

(b) गोर्बाचेव की पेरेस्त्रोइका की नई नीति पर एक संक्षिप्त टिप्पणी लिखिये।

Write a short note on Gorbachev's new policy of Perestroika.

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

सोवियत संघ के नेता मिखाइल गोर्वाचेव ने अपने काल में अनेक सुधार वादी कदम उठाए। इन सुधारों में (पेरेस्त्रोइका) क्षेत्रीय प्रसार न करने की भी नीति थी। जिसके परिणाम स्वरूप सोवियत यूनियन का विघटन तेज हो गया

पेरेस्त्रोइका की नीति

- नवीन क्षेत्रों में सोवियत संघ का विस्तार न करना
- यूरोप के उदारवादी व राष्ट्रीय आंदोलनों का समर्थन करना
- सोवियत यूनियन की आंतरिक आर्थिक प्रणालियों पर जोर देना तथा नवीन स्वतंत्र राष्ट्र को सोवियत संघ के पक्ष में ले उन्हें आर्थिक समर्थन न देना
- नवीन साम्यवादी देशों का आर्थिक समर्थन आगे जारी न रखना

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली | 21, पूसा रोड, करोल बाग, नई दिल्ली | 13/15, ताशकंद मार्ग, निकट पत्रिका चौराहा, सिविल लाइन्स, प्रयागराज | 47/CC, बर्लिंगटन आर्केड मॉल, विधानसभा मार्ग, लखनऊ | प्लॉट नंबर-45 व 45-A हर्ष टावर-2, मेन टोंक रोड, वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें। (Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this space)

~~उत्तर~~ पेरेस्त्रोइका की नीति ने सोवियत यूनियन के विघटन का मार्ग प्रशस्त किया कुछ इतिहासकारों का मानना है कि पेरेस्त्रोइका की नीति मुनरो डॉक्ट्रिन के परिणाम स्वरूप लाई गयी थी। किन्तु अधिकांश इस बात पर सहमत हैं कि पेरेस्त्रोइका की नीति ने यूरोप में राष्ट्रवादी ~~व~~ स्वतंत्रता वादी आंदोलनों को जन्म दिया जिसके परिणाम स्वरूप पूर्वी यूरोप के कई देश चेकोस्लोवाकिया यूक्रेन, बेलारूस आदि स्वतंत्र हुए।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

(c) इटली के एकीकरण में कार्बोनेरीज की भूमिका को स्पष्ट कीजिये।

The role played by Carbonaries in the Italian unification.

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

(d) रंगभेद के नस्लीय वर्गीकरण ने दक्षिण अफ्रीका की सामाजिक संरचना और अधिकारों को कैसे प्रभावित किया?

How did apartheid's racial classification impact South Africa's social structure and rights?

अफ्रीकी महाद्वीप को गुलाम बनाए जाने के क्रम में इंग्लैण्ड व डच शासन ने यहां पर Apartheid (रंगभेद) की नीति को जन्म दिया था। ये नीति भयानक नस्लीय व रंगीय भेद पर आधारित थी।

रंगभेद का दक्षिण अफ्रीका की सामाजिक संरचना व अधिकारों पर प्रभाव

सामाजिक संरचना

- अश्वेतों से श्वेत लोगों के बीच संपर्क प्रतिबंध लगाया गया
- अश्वेतों को सामान्य अधिकारों से वंचित रखा गया था तथा उन्हें अलग बस्तियों में रहना होता था।
- अश्वेतों को दास बनाकर व्यापार व बागान में लगाया जाता
- श्वेतों के अश्वेतों से विवाह संबंधों पर प्रतिबंध
- सामान्य जीवन में स्थान विभाजन

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

अधिकारों पर प्रभाव

- सार्वजनिक सड़कों, तालाबों, होटलों, चर्च, विद्यालय में भेदभाव तथा पहुँच से दूर
- मतदान का अधिकार नहीं
- श्वेतों की बस्तियों में जाने का अधिकार नहीं
- विवाह हेतु अधिकार नहीं, विवाह हेतु पंजीकरण अनिवार्य
- सार्वजनिक परिवहन रेल, बस में अश्वेतों को, श्वेतों के साथ यात्रा का अधिकार नहीं
- दास मुक्ति पाने का अधिकार नहीं

विश्व इतिहास में इंग्लैंड की प्रथा अमानवीय प्रथाओं का भयावह रूप थी जिसने मानवाधिकारों का उल्लंघन कर मानवता पर कलंक लगाया। नेलसन मंडेला के नेतृत्व में चलाए गए आंदोलनों से इंग्लैंड की नीति का खात्मा हुआ।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

(e) नव-उपनिवेशवाद पर एक संक्षिप्त टिप्पणी लिखिये।

Write a short note on neo-colonialism.

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

नव उपनिवेशवाद, क्लासिकल उपनिवेशवाद से भिन्न मुख्यत: आर्थिक प्रणाली पर ही जोर देता है इसमें साम्राज्यवादी प्रभाव हेतु कॉलोनी पर कब्जा न करके, उपनिवेशी देश में कंपनियों तथा व्यापारियों को बनाया जाता है तथा अपने आर्थिक प्रभाव से उन देशों को कर्जा, पूंजी निवेश उपलब्ध कराकर खुली व्यापार की नीतियों को अपने अनुकूल बनाया जाता है

आधुनिक समय में बहुराष्ट्रीय कंपनियों की गतिविधियों को उसी क्रम में समझा जा सकता है जहां वे खुली व्यापार नीतियों का उपयोग कर अपने उत्पादों का बाजार विस्तार करती है तथा कई बार निवेश व पूंजी उपलब्ध कराकर सरकारों को भी प्रभावित करती है।

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली | 21, पूसा रोड, करोल बाग, नई दिल्ली | 13/15, ताशकंद मार्ग, निकट पत्रिका चौराहा, सिविल लाइन्स, प्रयागराज | 47/CC, बर्लिंगटन आर्केड मॉल, विधानसभा मार्ग, लखनऊ | प्लॉट नंबर-45 व 45-A हर्ष टावर-2, मेन टोंक रोड, वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

अतः उपनिवेशवाद की समाप्ति के पश्चात ~~नव~~ औद्योगिक व विकसित देशों ने अपने आर्थिक प्रभुत्व को बनाए रखने हेतु नव उपनिवेशवाद को प्रोत्साहित किया है।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

6. (a) जर्मनी का एकीकरण 'रक्त एवं लौह' और 'कोयले एवं लौह' की नीति के बीच एक संतुलन था। परीक्षण कीजिये। 20

German unification was equally poised between the policy of 'blood and iron' and 'coal and iron'. Examine. 20

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

(b) प्रथम विश्व युद्ध का प्रभाव असाधारण रूप से व्यापक था। टिप्पणी कीजिये। 15

The impact of World War I was extraordinarily wide-ranging. Comment. 15

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

(c) यद्यपि चार्टरवादी आंदोलन अपनी आकांक्षाओं को पूर्ण नहीं कर सका, बावजूद इसके इसे पूर्णतः विफल आंदोलन नहीं कहा जा सकता। परीक्षण कीजिये। 15

Despite the Chartist movement not fulfilling its aspiration, it can not be called a complete failure. Examine. 15

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

7. (a) सुधार अधिनियम को आधुनिक ब्रिटेन के इतिहास में सबसे महत्त्वपूर्ण विधानों में से एक के रूप में याद किया जाना चाहिये। विश्लेषण कीजिये। 20

The Reform Act should be remembered as one of the most momentous pieces of legislation in the history of modern Britain. Analyze. 20

1832 का प्रथम सुधार अधिनियम को इतिहासकार इंग्लैण्ड के संसदीय इतिहास में एक क्रांतिकारी कदम मानते हैं जब यूरोप में नागरिक व राजनैतिक अधिकारों को जन्म दिया वहीं प्रथम सुधार अधिनियम ने एक नई प्रकार की अंग्रेजी क्रांति को जन्म दिया

इतिहासकार मॉर्वेट तथा ट्रेवेलियन के शब्दों में प्रथम सुधार मौन व श्वेत अपने तरह की अंग्रेजी क्रांति थी। जिसने बिना हिंसा के नागरिक स्वतंत्रताओं व अधिकार प्राप्ति का आदर्श रखा।

प्रथम सुधार के कारण

- → श्रमिकों द्वारा मताधिकार की मांग
- → बौरो तथा काउंटीज का 658 संसदीय सीटों पर असमान प्रभाव
  (उदा॰ 11 काउंटी के पास (65 सीटें)

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली | 21, पूसा रोड, करोल बाग, नई दिल्ली | 13/15, ताशकंद मार्ग, निकट पत्रिका चौराहा, सिविल लाइन्स, प्रयागराज | 47/CC, बर्लिंगटन आर्केड मॉल, विधानसभा मार्ग, लखनऊ | प्लॉट नंबर-45 व 45-A हर्ष टावर-2, मेन टोंक रोड, वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiIAS.com

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

→ किसानों द्वारा मताधिकार में भूमि सीमा तथा आय व टैक्सपेय क्षमता की आलोचना करते हुए मतदान अधिकार की मांग करना

- महिलाओं का असमान प्रतिनिधित्व तथा उनके द्वारा चुनाव अधिकारों की मांग
- परिसीमन का पुर्नमूल्यांकन
  (उदा० ब्रिटेन, ट्रांसवाल जैसी काउंटी के पास कोई संसदीय नेतृत्व नहीं)

(प्रथम सुधार प्रक्रिया)

→ परिसीमन वाले बोरो तथा काउंटी में सीट का पुर्न: निर्धारण किया गया
- बोरो की 165 सीटें कम की गई
- किसानों के ऊपर से मतदान हेतु भूमि सीमा तथा आय की सीमा को हटा दिया गया
- किसानों के प्रतिनिधित्व हेतु सीटें आरक्षित की गई

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली | 21, पूसा रोड, करोल बाग, नई दिल्ली | 13/15, ताशकंद मार्ग, निकट पत्रिका चौराहा, सिविल लाइन्स, प्रयागराज | 47/CC, बर्लिंगटन आर्केड मॉल, विधानसभा मार्ग, लखनऊ | प्लॉट नंबर-45 व 45-A हर्ष टावर-2, मेन टोंक रोड, वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

- महिलाओं को सीमित मताधिकार दिये गए
- नारीवादी संगठनों व महिला आंदोलनों का समर्थन किया गया

प्रथम सुधार की सीमायें

- मजदूरों को नागरिक अधिकारों से वंचित रखा गया। उन्हे मतदान प्रक्रिया से दूर रखा गया। परिणाम स्वरूप मजदूरों ने अपने संगठन बनाकर 1832 में चार्टिस्ट आंदोलन को चलाया
- किसानों व महिलाओं का सीमित प्रतिनिधित्व
- बड़ी काउंटी तथा बौरों पर कुलीनों व्यापारियों तथा पुरोहितों का ही कब्जा बना रहा
- जातीय प्रतिनिधित्व तथा छोटी काउंटी बौरों व ग्रामों को अधिकारों से दूर रखा गया।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

अतः इंग्लैण्ड की रक्तहीन गौरवपूर्ण क्रांति के पश्चात् एक अन्य क्रांतिकारी कदम उदार प्रजातांत्रिक सुधार द्वारा गौरवपूर्ण क्रांति के उद्देश्यों को पूर्ण करके तथा ब्रिटिश समाज में प्रगति व समानता लाने का प्रयास किया गया।

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

(b) अमेरिकी गृहयुद्ध कहीं से भी गृहयुद्ध नहीं था लेकिन इसने महान अमेरिकी सभ्यता के लिये आधारशिला का कार्य किया। टिप्पणी कीजिये। 15

The American civil war was nowhere civil but it served as the stepping stone for the great American civilisation. Comment. 15

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

(1861-65) के मध्य अमेरिकी गृह युद्ध दासप्रथा की समाप्ति को लेकर लड़ा गया था। जिसमें उत्तर के औद्योगिक राज्य तथा बागान अर्थव्यवस्था आधारित दक्षिणी राज्य शामिल थे।

अमेरिकी गृह युद्ध के व्याख्याकारों ने इसे उत्तरी राज्यों की औद्योगिक आर्थिक उन्नति का परिणाम बताया है जो सस्ते श्रमिकों की तलाश में दास प्रथा का उन्मूलन चाहते थे। ~~वही~~

वहीं अन्य इतिहासकारों ने जैसे एलिस्टर, बैंजामिन आदि ने इसे अब्राहम लिंकन के मानवीय प्रयासों तथा उनके राजनैतिक चुनावी घोषणा पत्र का परिणाम बताया है। अमेरिकी गृह युद्ध के कारण चाहे जो भी हो पर उसका अमेरिकी सभ्यता पर व्यापक असर था

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली | 21, पूसा रोड, करोल बाग, नई दिल्ली | 13/15, ताशकंद मार्ग, निकट पत्रिका चौराहा, सिविल लाइन्स, प्रयागराज | 47/CC, बर्लिंगटन आर्केड मॉल, विधानसभा मार्ग, लखनऊ | प्लॉट नंबर-45 व 45-A हर्ष टावर-2, मेन टोंक रोड, वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

गृहयुद्ध का प्रभाव

- उत्तर तथा दक्षिणी राज्यों के मध्य विभाजन की समाप्ति
- दासप्रथा का उन्मूलन, दासों को नागरिक अधिकार तथा मतदान का अधिकार
- गृहयुद्ध के परिणाम स्वरूप स्वाधीनक्षेत्रों में Westward Expansion हुआ जिसमे अमेरिकी कृषि, उद्योग तथा अर्थव्यवस्था का विस्तार हुआ

(b) आर्थिक परिणामों के फलस्वरूप संसाधनों की उपलब्धता ने अमेरिका में उद्योगों के विकास जिसमें, गन्ना-चीनी उद्योग, वस्त्र उद्योग, ऑटोमोबाइल उद्योग, लहापरानी उद्योग आदि को प्रोत्साहन मिला।

(c) सांस्कृतिक परिणाम स्वरूप मानवीय स्वतंत्रता तथा सामाजिक मेल जोल को बढ़ावा मिला

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली | 21, पूसा रोड, करोल बाग, नई दिल्ली | 13/15, ताशकंद मार्ग, निकट पत्रिका चौराहा, सिविल लाइन्स, प्रयागराज | 47/CC, बर्लिंगटन आर्केड मॉल, विधानसभा मार्ग, लखनऊ | प्लॉट नंबर-45 व 45-A हर्ष टावर-2, मेन टोंक रोड, वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

मूल्यांकन

- अमेरिकी गृहयुद्ध में व्यापक जनधन की हानि हुई लगभग 1.6 मिलियन लोग मारे गए थे।
- सामाजिक समामेलन की गति धीमी तथा समाज में असमानता व्याप्त रही
- आज भी अमेरिका में नीग्रो समुदाय को हीन तथा अपराधिक नज़र से देखा जाता है।

किंतु इसके सकारात्मक परिणाम दूरगामी साबित हुए जिसने अमेरिकी समाज से दासता के कलंक को हटा दिया तथा संघीय संविधान देकर दुनिया के सामने आदर्श की प्रस्तुति की।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

(c) जर्मन औद्योगीकरण ब्रिटिश औद्योगीकरण से भिन्न था। सविस्तार वर्णन कीजिये। 15

German industrialisation was different from that of the British. Elaborate. 15

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

औद्योगीकरण से आशय

वैज्ञानिक चिंतन तथा प्रौद्योगिकी व तकनीक का प्रयोग करके उत्पादन की प्रणाली में आमूल-चूल परिवर्तन लाना है।

सर्वप्रथम औद्योगिक क्रांति विभिन्न सम्मिलित कारकों की वजह से इंग्लैण्ड में हुई थी।

इंग्लैण्ड के औद्योगीकरण को प्रेरित करने वाले कारक

- स्थायी तथा स्थिर सरकार
- पूंजीपति वर्ग की उपस्थिति
- उपनिवेशीय साम्राज्य
- कृषि क्रांति तथा जनसंख्या वृद्धि
- भौगोलिक कारक

→ कच्चा माल, लोहा, कोयला की प्रचुरता

→ इंग्लैण्ड की उपस्थिति, चारों ओर समुद्री सीमा → बंदरगाह उपस्थिति

→ अनुकूल नमी युक्त मौसम

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

हालांकि इंग्लैण्ड की औद्योगिक क्रांति के पश्चात यूरोप के विभिन्न देशों में क्रांति सम्पन्न हुई। जिनमें जर्मनी का औद्योगिकीकरण विभिन्न कारकों के परिणामस्वरूप हुआ तथा इंग्लैण्ड से भिन्न था।

जर्मनी औद्योगिकरण इंग्लैण्ड से भिन्नता

- जर्मनी के पास इंग्लैण्ड के मुकाबले उपनिवेशी बाजारों तथा कच्चेमाल प्राप्ति के स्रोतों की कमी थी
- जर्मनी में स्थिर सरकार की अनुपस्थिति
- जर्मन समाज इंग्लैण्ड के समाज के मुकाबले उद्यमशीलता वाला नहीं
- जर्मनी के पास इंग्लैण्ड जैसे दास व्यापार तथा अटलांटिक ट्रांस व्यापार का अनुभव नहीं
- जर्मन समाज में पूंजी की कमी

फिर भी जर्मनी में एक शानदार औद्योगिक क्रांति सम्पन्न हुई।

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली | 21, पूसा रोड, करोल बाग, नई दिल्ली | 13/15, ताशकंद मार्ग, निकट पत्रिका चौराहा, सिविल लाइन्स, प्रयागराज | 47/CC, बर्लिंगटन आर्केड मॉल, विधानसभा मार्ग, लखनऊ | प्लॉट नंबर-45 व 45-A हर्ष टावर-2, मेन टोंक रोड, वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiIAS.com

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

कारण

- जर्मनी की भौगोलिक दशाएं
  - उपयुक्त नमीयुक्त ठंडा मौसम
  - कोयला व इस्पात, आदि के समृद्ध भंडार
  - लौह प्रगलन तकनीक के विकास से स्टील उत्पादन का विकास
  - सरहदी जैसे कच्चामाल संसाधन युक्त क्षेत्र
- वैज्ञानिक क्रांति
- एकीकरण के परिणामस्वरूप विचार सरकार ने तीव्र औद्योगीकरण को प्रोत्साहित किया
- कृषि क्रांति से पूंजी में वृद्धि
- जनसंख्या वृद्धि से सस्ते श्रमिकों की उपलब्धता।

अतः औद्योगीकरण की प्रक्रिया यूरोपीय देशों में अलग-अलग कारकों से प्रेरित थी। इंग्लैण्ड की क्रांति के बाद यूरोप में औद्योगीकरण तीव्र हुआ जिसमें इटली, जर्मनी, फ्रांस रूस आदि का भी विकास हुआ।

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली | 21, पूसा रोड, करोल बाग, नई दिल्ली | 13/15, ताशकंद मार्ग, निकट पत्रिका चौराहा, सिविल लाइन्स, प्रयागराज | 47/CC, बर्लिंगटन आर्केड मॉल, विधानसभा मार्ग, लखनऊ | प्लॉट नंबर-45 व 45-A हर्ष टावर-2, मेन टोंक रोड, वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

8. (a) पुनर्जागरण मनुष्य की बौद्धिक और कलात्मक ऊर्जाओं की एक ऐसी अभिव्यक्ति थी जिसके द्वारा यूरोप ने मध्यकाल से निकलकर आधुनिक काल में प्रवेश किया। चर्चा कीजिये। 20

Renaissance was an expression of the intellectual and artistic energies of man by which Europe came out of the medieval period and entered the modern period. Discuss. 20

15 वीं सदी में यूरोप में पुनर्जागरण की बयार चली थी जिसने सोई हुई मानवीय चेतना को जगाने का प्रयास किया। तथा बौद्धिक व वैज्ञानिक चिंतन के प्रकाश में पाखण्डवाद, धार्मिक अंधविश्वास के अंधकार को दूर करने का प्रयास किया।

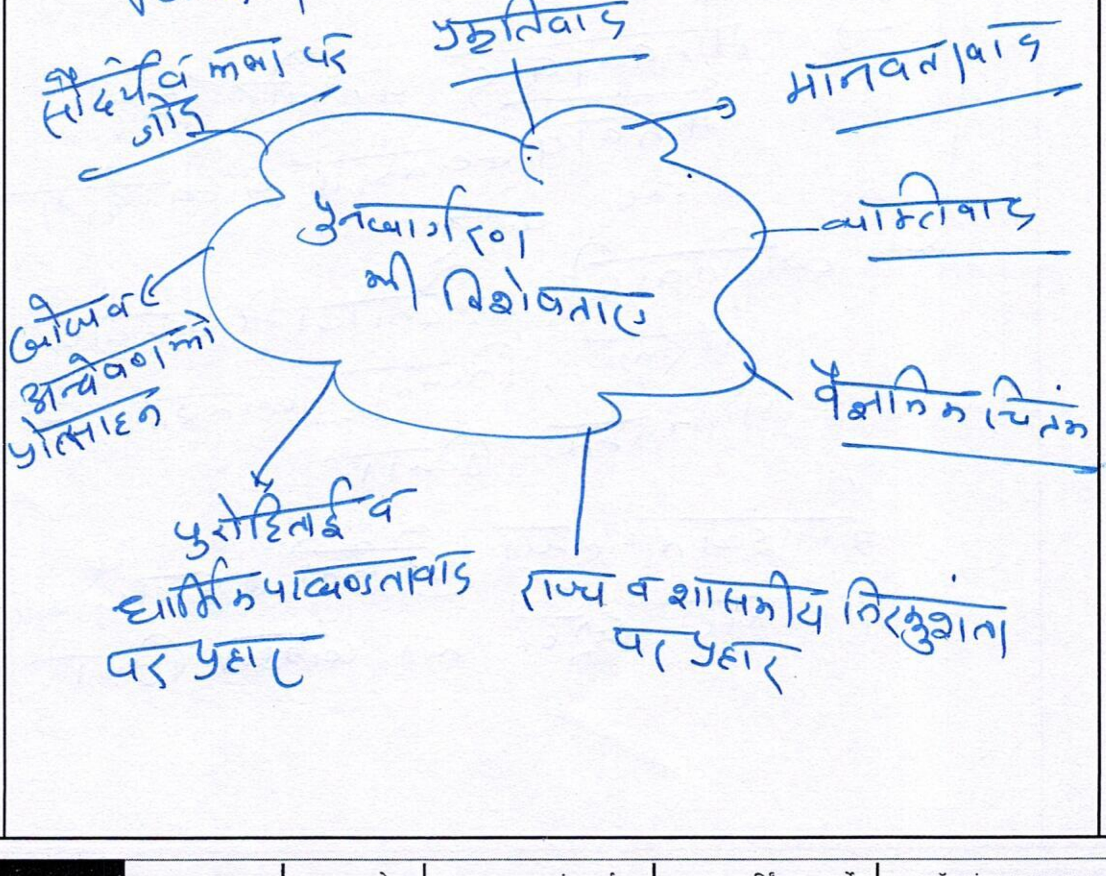

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

बौद्धिक अभिव्यक्ति

- पुनर्जागरण कालीन चिंतकों ने मानवीय मस्तिष्क के अंधकार को दूर किया। उन्होंने प्राकृतिक घटनाओं का उल्लेख ज्ञान के आलोक में किया
- वैज्ञानिक चिंतन को बढ़ावा, कॉपरनिकस, गैलीलियो आदि ने मानव मस्तिष्क को धार्मिकता के अंधकार से मुक्त कराया
- वैज्ञानिक क्रांति का मार्ग प्रशस्त किया
- मानवतावाद पर जोर देकर मानवीय स्वतंत्रता व स्वच्छंदता पर जोर
- क्रांतिवादी विचारों ने मानवीय गरिमा, निजता, स्वतंत्रता को प्रोत्साहित किया
- ईसाइयत तथा पुरोहितों द्वारा फैलाए गए झूठ का खंडन किया

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

कलात्मक अभिव्यक्ति

- रोमन गोथिक कला लोकप्रोत्साहन
- कला में सौंदर्य, नग्नता पर जोर (दिदेरो द्वारा रोमन कलात्मक चित्रण)
- मानवीय चित्रण में तथ्य सौंदर्य (उदा० मोनालिसा)
- स्थापत्य में चर्च, महल तथा घरों पर पुनर्जागरणकालीन विचारों का प्रभाव (उदा० रोमन कैथोलिक चर्च)
- चित्रकला में चमक हेतु तैलीय रंगों तथा प्राकृतिक रंगों का प्रयोग
- कला का विज्ञान के साथ जुड़ाव (उदा० गैलीलियो द्वारा दूरबीन, हवाई जहाज, टेलिस्कोप आदि का चित्रण)

अतः पुनर्जागरण मानव को चर्च की बुराइयों, राजकीय निरंकुशता से बचाने का मध्यकालीन अंधकार में विद्वानों द्वारा किया गया प्रयास था। जिसका जीवन के प्रत्येक पहलू पर व्यापक असर था।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

इटली / जर्मनी / जापान

(b) द्वितीय विश्व युद्ध में रोम-बर्लिन-टोक्यो धुरी के महत्त्वपूर्ण पहलुओं पर चर्चा कीजिये। 15

Discuss the significant aspects of the ROME-BERLIN-TOKYO axis in the second world war. 15

मानवीय इतिहास की सबसे भयावह घटनाओं में शामिल द्वितीय विश्वयुद्ध जिसने मानव त्रासदी का भयावह विनाश प्रदर्शित किया था। WW II राज्यों की आपसी प्रतिस्पर्धा तथा वर्साय संधि की अमानवीय शर्तें व अंतराष्ट्रीय गुटबंदी के कारण उपजा था।

WW II के कारण

अंतर्राष्ट्रीय शांति संस्थाओं की विफलता

राजनैतिक
- वर्साय संधि
- कूटनीति विफलताएं
- गुप्त समझौते

- सैन्यीकरण
- शस्त्रों की होड़

आर्थिक
- साम्राज्यवादी विस्तार
- उपनिवेशों की सुरक्षा
-

द्वितीय विश्व युद्ध में दो गुट प्रमुखतः से लड़ रहे थे।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

जिनमें एक तरफ था इंग्लैण्ड, फ्रांस, रूस, अमेरिका वाला मित्र राष्ट्र तथा दूसरी ओर था जर्मनी, इटली, जापान वाला धुरी राष्ट्र पक्ष।

रोम, बर्लिन, टोक्यो धुरी के देश पश्चिम की साम्राज्यवादी ताकतों से अपने साम्राज्य विस्तार हेतु लड़ रहे थे।

इटली अपनी फासीवादी विचारधारा के मुताबिक तथा यूरोप में अपने वर्चस्व विस्तार हेतु युद्ध में शामिल हुआ। जर्मनी वर्साय संधि का अपमान का बदला लेने तथा जर्मनवादी के विस्तार हेतु युद्ध में शामिल।

एशिया का एक मात्र देश था जो अतिदेश वही जापान दक्षिण तथा साम्राज्यवाद की विचारधारा से प्रेरित था उसने रूस, चीन, मन्चूरिया, ताइवान, इंडोनेशिया आदि पर हमले किये थे।

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली | 21, पूसा रोड, करोल बाग, नई दिल्ली | 13/15, ताशकंद मार्ग, निकट पत्रिका चौराहा, सिविल लाइन्स, प्रयागराज | 47/CC, बर्लिंगटन आर्केड मॉल, विधानसभा मार्ग, लखनऊ | प्लॉट नंबर-45 व 45-A हर्ष टावर-2, मेन टोंक रोड, वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

पोलैण्ड पर जर्मनी के आक्रमण से युद्ध का प्रारंभ तो एक चिंगारीभर था। असल में यूरोप पर युद्ध के बादल तो वर्साय संधि के पश्चात ही मंडराने लगे थे। वर्साय संधि के परिणाम स्वरूप इंग्लैंड, फ्रांस, आदि ने अल्सास लॉरेन, सार घाटी, डेनजिंग, एल्बा घाटी के क्षेत्रों को आपस में बांट लिया था।

इटली व जर्मनी में नाजीवाद व फासीवाद की विचारधारा के परिणाम स्वरूप भी मित्र राष्ट्र, इन राष्ट्रों के विरुद्ध हो गए थे।

अतः धुरी राष्ट्र (रोम, बर्लिन, टोक्यो) तथा मित्र राष्ट्र अपने-अपने हितों के लिए लड़ रहे थे जिन्होंने मानवजाति को युद्ध की त्रासदी में झोंक दिया था।

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली | 21, पूसा रोड, करोल बाग, नई दिल्ली | 13/15, ताशकंद मार्ग, निकट पत्रिका चौराहा, सिविल लाइन्स, प्रयागराज | 47/CC, बर्लिंगटन आर्केड मॉल, विधानसभा मार्ग, लखनऊ | प्लॉट नंबर-45 व 45-A हर्ष टावर-2, मेन टोंक रोड, वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

(c) द्वितीय विश्व युद्ध की प्रकृति का निर्धारण करते हुए इसके कुछ सकारात्मक परिणामों पर चर्चा कीजिये। 15

Determine the nature of World War II and discuss some of its positive consequences. 15

द्वितीय विश्व पोलैंड पर आक्रमण के पश्चात 1939 में शुरू हुआ जिसने यूरोप को हिंसा में झोंक दिया

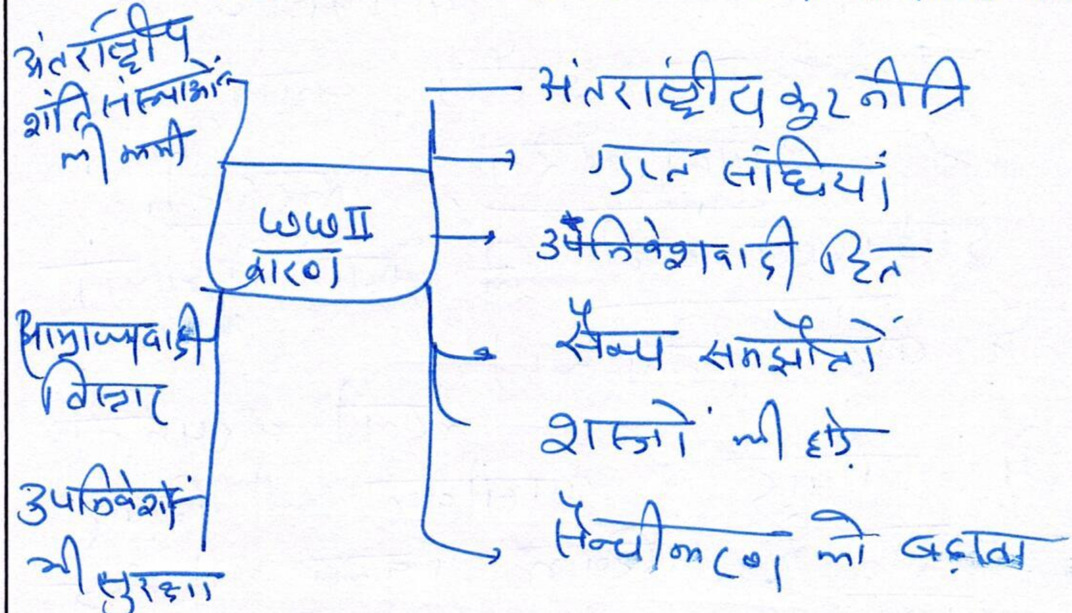

युद्ध की प्रकृति को लेकर विद्वानों के मध्य व्यापक मतभेद है

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

युद्ध की प्रकृति

- आर्थिक हितों हेतु तथा उपनिवेशों की सुरक्षा हेतु लड़ा गया
- लोकतांत्रिक व पूंजीवादी विचारधारा के प्रचार हेतु
- नाजीवाद व साम्यवाद को रोकने हेतु

- वर्साय संधि का परिणाम
- हिटलर के नेतृत्व में जर्मनी अपना बदला लेने तथा छीने गए क्षेत्र वापस लेने के संदर्भ में
- फासीवाद व नाजीवाद के प्रसार हेतु

अतः युद्ध की प्रकृति को लेकर विद्वानों में मतभेद है किंतु सच जो भी हो युद्ध उपनिवेशी राष्ट्रों तथा फासीवादी व नाजीवादी विचारधारा के राष्ट्रों के मध्य अपने-अपने हितों को लेकर लड़ा गया था। जिसके परिणाम स्वरूप व्यापक मानवीय त्रासदी हुई।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

सकारात्मक परिणाम

- संयुक्त राष्ट्र संघ की स्थापना का विकास हुआ। भविष्य में अंतर्राष्ट्रीय शांति व सुरक्षा हेतु
- शस्त्रीकरण की होड़ रोकने हेतु कई शांति संधियों पर समझौता किया गया
- युद्ध से सबक लेते हुए, बन्दियों की अमानवीय स्थितियों को थोपने से बचा गया
- उपनिवेशी राष्ट्रों में राष्ट्रवाद तथा स्वतंत्रता आंदोलनों की लहर चली (भारत, इंडोनेशिया, चीन आदि)
- अफ्रीका तथा लैटिन अमेरिका का विउपनिवेशीकरण तथा स्वतंत्रता आंदोलन

Feedback

Questions ....

Model Answer & Answer Structure ....

Evaluation ....

Staff ....

Copyright – Drishti The Vision Foundation

रफ कार्य के लिये स्थान
(Space for Rough Work)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

इतिहास
(वैकल्पिक विषय)
टेस्ट-4

DTVF / OPT-24 H-2404

निर्धारित समय: तीन घंटे *Time Allowed: Three Hours*	*अधिकतम अंक* : 250 *Maximum Marks* : 250

प्रश्न-पत्र के लिये विशिष्ट अनुदेश

कृपया प्रश्नों के उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को ध्यानपूर्वक पढ़ें:

*इसमें **आठ** प्रश्न हैं जो दो खण्डों में विभाजित हैं तथा **हिन्दी एवं अंग्रेज़ी** भाषा में मुद्रित हैं।*

परीक्षार्थी को कुल पाँच प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

*प्रश्न संख्या 1 और 5 **अनिवार्य** हैं तथा बाकी में से **प्रत्येक खण्ड से कम-से-कम एक प्रश्न** चुनकर किन्हीं **तीन प्रश्नों** के उत्तर दीजिये।*

प्रत्येक प्रश्न/भाग के अंक उसके सामने दिये गए हैं।

*प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहियें जिसका उल्लेख आपके प्रवेश-पत्र में किया गया है, और इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिये। उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गए उत्तर पर **कोई अंक नहीं** मिलेंगे।*

प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिये।

जहाँ आवश्यक हो, अपने उत्तर को उपयुक्त चित्रों/मानचित्रों तथा आरेखों द्वारा दर्शाएँ। इन्हें प्रश्न का उत्तर देने के लिये दिये गए स्थान में ही बनाना है।

प्रश्नों के उत्तरों की गणना क्रमानुसार की जाएगी। यदि काटा नहीं हो, तो प्रश्न के उत्तर की गणना की जाएगी चाहे वह उत्तर अंशतः दिया गया हो। प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिये।

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

Please read each of the following instruction carefully before attempting questions:

*There are **EIGHT** questions divided in **TWO SECTIONS** and printed both in **HINDI & ENGLISH**.*

*Candidate has to attempt **FIVE** questions in all.*

*Questions no. 1 and 5 are compulsory and out of the remaining, any **THREE** are to be attempted choosing at least **ONE** from each section.*

The number of marks carried by a question/part is indicated against it.

Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (Q.C.A.) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.

Word limit in questions, wherever specified, should be adhered to.

Illustrate your answers with suitable sketches/maps and diagrams, wherever considered necessary. These shall be drawn in the space provided for answering the question itself.

Attempts of questions shall be counted in sequential order. Unless struck off, attempt of a question shall be counted even if attempted partly. Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

Copyright – Drishti The Vision Foundation